[Shri M. M. JACOB]

Prakash Malaviya. A Hindi version of the Eighth Five Year Plan—1992-97—is under print and efforts will be made to lay it on the Table of the House during the extended period of the current session of the House. In order that the hon. Members may have the earliest opportunity to see the Plan document, it was considered that the English version should be laid on the Table of the House immediately so that its distribution is not further delayed for want of Hindi copy. The Hindi version will be laid on the Table of the House before the Session ends as soon as it is received from the press. (*Interruptions*)

THE DEPUTY CHAIRMAN: Just a minute. Let me announce something on this matter. There is a Committee on Papers Laid on the Table and the Committee goes into all these matters and we will keep track of it, what is happening and it is for the Committee to look into the thing, and if you like, you can go through page 68 of the Rules of Procedure and Conduct of Business. If still Members are not satisfied, they can approach my office and we will look into it... (*Interruptions*)... We will look into it. Now let us see... (*Interruptions*)...

THE LEADER OF THE OPPOSITION (SHRI SIKANDER BAKHT): We want an assurance from the Home Minister.

SHRI DINESHBHAI TRIVEDI (Gujarat): Madam, I want to raise a very important issue... (*Interruption*)... Dr. Manmohan Singh ... (*Interruptions*)...

---

## REPORTED INCIDENT OF RAPE OF GIRL CHILDREN IN A PRESTIGIOUS SCHOOL OF DELHI

THE DEPUTY CHAIRMAN: Not now... (*Interruptions*)... Not like this ...(*Interruptions*)... I am not allowing.

DR. ABRAR AHMED (Rajasthan): ... (*Interruptions*)...

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I want to raise an important issue.

THE DEPUTY CHAIRMAN: I will allow it... (*Interruptions*)... I will allow you, but first let me listen to Dr. Abrar Ahmed. What is your problem?

**श्री अबरार अहमद :** मैडम, मैं आपके माध्यम से एक बहुत ही चौंका देने वाली और रोंगटे खडे करने वाली घटना की ओर सरकार का ध्यान आकर्षित करना चाहता हूं।

महोदय, कल सुबह जब हम उठे और हमने स्टेट्समैन अखबार पढा तो उसके अंदर मासूम बच्चियों के साथ राजधानी के प्रेस्टिजियस स्कूलों के अंदर किस प्रकार से बाहर के लोगों द्वारा बलात्कार किया जाता है, इसकी घटना जब अखबार में पढ़ी कि सात-सात और आठ-आठ साल की उम्र की बच्चियों के साथ दिल्ली के एक प्रेस्टिजियस स्कूल में बाहर के लोगों ने जाकर बलात्कार कया, वहां के प्रिंसिपल ने उसका नोटिस तक नहीं लिया, तो हमारे रोंगटे खड़े हो गए। सब के बच्चे स्कूलों में जाते हैं, हमारी भी बच्चियां स्कूलों में जाती हैं, वह बच्चियां हमारी भी हो सकती थीं। आप खुद एक महिला हैं, आप अंदाज़ा लगाइए कि कितने लाड प्यार से हम बच्चों को स्कूल के अन्दर भेजते हैं, उन सात-सात आठ-आठ साल की उम्र की बच्चियों के साथ स्कूल के अंदर बलात्कार हो तो कहां जाकर हमारा समाज उठेगा, कहां जाकर हमारा देश उठेगा ?

महोदया, बाल भारती जूनियर स्कूल के अंदर पूसा रोड पर पहली घटना 9 जुलाई को हुई और 9 जुलाई को उस बच्ची के साथ जो थर्ड डी के अंदर पढ़ती थी, उसने अपनी मां को जाकर बताया तो मां ने उस स्कूल को विजिट किया और प्रिंसिपल भट्टाचार्य से शिकायत की लेकिन उसने यह कहकर उस कंप्लेन्ट को

रह कर दिया कि यह बच्ची की मिस्चीफ हो सकती है । दुबारा 30 जुलाई को दूसरी घटना हुई जब कि स्कूल के बाथ, टायलेट के अंदर दूसरी बच्ची के साथ बाहर के एक व्यक्ति द्वारा बलात्कार किया जा रहा था और उसके सिसकने की आवाज आ रही थी । जमादार ने जाते हुए देखा कि अंदर से दरवाजा बंद था । वह भागी किसी की मदद के लिए लेकिन वह व्यक्ति निकलकर भागने लगा । उसको चौकीदार द्वारा पकड़ा गया । उसने यह स्वीकार किया कि तीन बार उसने अलग अलग लड़कियों से बलात्कार किया है । तो महोदया, अगर राजधानी के स्कूलों के अंदर इस तरह से बलात्कार बच्चों के साथ होगा तो क्या होगा उन बच्चों का, क्या होगा उस समाज का और क्या होगा उन स्कूलों का जहा हम बच्चों को भेजते हैं ? मैं आपके माध्यम से सरकार से जानना चाहता हू कि इस घटना की जांच कर कठोर कार्यवाही की जाए और ऐसी कार्यवाहियों को रोका जाए ।

SHRI BHUBANESWAR KALITA (Assam): Madam, we all associate ourselves with this issue. We all want action... (*Interruptions*)

**श्री एस० एस० अहलुवालिया** (बिहार) महोदया, यह बडी दुर्भाग्यपूर्ण बात है कि बच्चों के साथ स्कूलों में ऐसी घटनायें घट रही हैं । गृह मंत्री इसकी खोजबीन करके सदन को बताने की कृपा करें ।

**उपसभापति :** देखिए, यह सवाल सिर्फ गृह मंत्री का नहीं है । पुलिस में रिपोर्ट हो गई । वह जरूर गृह मंत्री जी देखेंगे । यह सवाल स्कूलों का है तो स्कूलों से संबधित जो लोग हैं उनको भी ध्यान देना चाहिए । ऐसा वाक्या हो ही नहीं तो गृह मंत्री तक बात न जाए । इसलिए वहां भी स्ट्रेथन करने की जरूरत है ।

That should be strengthened. (*Interruptions*). The Delhi Administration should look after it... (*Interruptions*) ...The Delhi Administration should look after it... (*Interruptions*)... होम मिनिस्टर साहब, आप रियेक्ट

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI S. B. CHAVAN): Madam, I will definitely look into the matter and I will see that necessary action is taken.

THE DEPUTY CHAIRMAN: Please pull up the Delhi Administration if the schools are run under its jurisdiction... (*Interruptions*)...But this is very shameful.

(*Interruptions*)

**Strike by Newspaper Employees**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN (Tamil Nadu): Madam, I would like to raise another issue... (*Interruptions*)...Madam, I want to raise an issue. Please identify me.

**श्री प्रमोद महाजन** (महाराष्ट्र) : महोदया, आज सुबह समाचार पत्र नहीं मिला । इसका दोहरा नुकसान हुआ.. **(व्यवधान)** कल हम जो सदन में बोल रहे थे वह आज समाचार पत्रों में छपा नहीं, आज जीरो अवर के लिए कुछ नहीं है ... **(व्यवधान)**

SHRIMATI JAYANTHI NATARAJAN: Madam, I have an important issue to raise. (*Interruptions*)...

THE DEPUTY CHAIRMAN: It is something else they are raising on the newspapers. (*Interruptions*)...

**श्री प्रमोद महाजन** : आपने मुझे अनुमति दी है ?

**उपसभापति :** हां दी है ।

**श्री प्रमोद महाजन :** आज सुबह की चाय फीकी लगी क्योंकि आज सुबह समाचार पत्र नहीं मिले । इसका दोहरा नुकसान हुआ.....

SHRI SUBRAMANIAN SWAMY (Uttar Pradesh): Without newspapers there is so much during Zero Hour. You can imagine... (*Interruptions*)...

**श्री प्रमोद महाजन :** : क तो कल जो बोला वह छपकर नहीं आया और आज कुछ नहीं इसलिए जीरो अवर क्या